भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3345

दिनांक 12.03.2026 को उत्तर के लिए नियत

आंध्र प्रदेश में एनएसआईसी की पहलें

3345. **श्री जी. एम. हरीश बालयोगीः**

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश, विशेषकर कोनासीमा जिलें, में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्धन एवं विकास के लिए राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) द्वारा क्या पहलें की गई हैं और वास्तविक लक्ष्य और उपलब्धियां क्या हैं;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान उक्त राज्य और जिले में एनएसआईसी की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता प्राप्त और लाभान्वित एमएसएमई/उद्यमियों की योजना-वार संख्या कितनी है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश में एनएसआईसी की पहलों के अंतर्गत वर्ष-वार कितनी निधि स्वीकृत, जारी और उपयोग की गई है;

(घ) उक्त अवधि के दौरान आंध्र प्रदेश में एनएसआईसी द्वारा क्या उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए गए हैं और राज्य और कोनासीमा जिले में प्रशिक्षुओं और कार्यशील, स्वीकृत/प्रस्तावित केंद्रों की संख्या कितनी है;

(ङ) विगत तीन वर्षों के दौरान एनएसआईसी की पहलों के अंतर्गत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और आंध्र प्रदेश और कोनासीमा जिले में लाभार्थियों की संख्या कितनी है;

(च) एनएसआईसी और आंध्र प्रदेश की एजेंसियों/संस्थाओं के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों का ब्यौरा क्या है और वर्तमान कार्यान्वयन स्थिति क्या है; और

(छ) आंध्र प्रदेश और कोनासीमा जिले में एनएसआईसी सेवाओं की पहुंच और प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क) से (ग): सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय के अंतर्गत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम, राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआईसी) अपनी विभिन्न स्कीमों के माध्यम से आंध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले सहित देश भर में एमएसएमई के संवर्धन और विकास के लिए एकीकृत सहायता प्रदान करता है। इन स्कीम में अन्य बातों के साथ-साथ कच्चा माल सहायता, कच्चा माल वितरण, विपणन सहायता, ऋण सुविधा, आईसीटी डिजिटल सेवाएं, कौशल विकास और उद्यमिता विकास आदि शामिल हैं। विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम में स्थित एनएसआईसी शाखा कार्यालय कोनासीमा जिले के एमएसएमई की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान आंध्र प्रदेश में एनएसआईसी की विभिन्न स्कीमों के अंतर्गत सहायता-प्राप्त और लाभान्वित एमएसएमई/उद्यमियों की संख्या निम्नानुसार है:

वर्ष	एकल बिंदु पंजीकरण स्कीम	ग्लोबल एमएसएमई मार्ट – बी2बी	कच्चा माल सहायता स्कीम	कच्चा माल वितरण स्कीम	बैंक टाई-अप स्कीम	बिल छूट स्कीम
2022-23	186	72	83	4	2	-
2023-24	159	102	81	6	2	1
2024-25	144	96	82	2	2	1
2025-26 (28 फरवरी, 2026 तक)	117	191	78	6	7	1

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान आंध्र प्रदेश राज्य में एनएसआईसी पहल के अंतर्गत स्कीम-वार संस्वीकृत निधियों का विवरण निम्नानुसार है:

(लाख रुपए में)

वर्ष	कच्चा माल सहायता स्कीम	कच्चा माल वितरण स्कीम	बैंक टाई-अप स्कीम	बिल छूट स्कीम
2022-23	26143.34	364.00	38.75	-
2023-24	22334.37	435.73	330.00	400.00
2024-25	23159.96	477.86	51.00	283.13
2025-26 (28 फरवरी, 2026 तक)	28244.08	363.98	416.00	627.15

(घ): पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष (28 फरवरी, 2026 तक) के दौरान आंध्र प्रदेश में एनएसआईसी तकनीकी सेवा केंद्र, हैदराबाद द्वारा संचालित उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	कार्यक्रमों की संख्या	उम्मीदवारों की संख्या
2022-23	01	20
2023-24	01	100
2024-25	02	479
2025-26 (28 फरवरी, 2026 तक)	09	1161

(ङ): एनएसआईसी एससी/एसटी के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और एमएसई के लिए लोक प्रापण नीति के अंतर्गत एससी/एसटी के स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) से अधिदेशित 4% खरीद की पूर्ति की सुविधा के लिए भारत सरकार की राष्ट्रीय एससी-एसटी हब (एनएसएसएच) स्कीम का कार्यान्वयन करता है। संयंत्र एवं मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए संस्थागत वित्त पर विशेष ऋण संबद्ध पूंजी सब्सिडी के माध्यम से 25 लाख रुपये तक की सब्सिडी; कौशल और क्षमता निर्माण कार्यक्रम; विशेष बाज़ार सहायता स्कीम के माध्यम से बाज़ार संपर्क; और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए, परीक्षण शुल्क की प्रतिपूर्ति, निर्यात संवर्धन परिषदों और सरकार द्वारा संवर्धित ई-कॉमर्स पोर्टलों की सदस्यता शुल्क की प्रतिपूर्ति आदि जैसी कई पहलें की गई हैं। पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान आंध्र प्रदेश राज्य के 1446 एससी/एसटी उद्यमियों ने इस स्कीम के अंतर्गत लाभ उठाया है।

(च): एनएसआईसी ने आंध्र प्रदेश में वाणिज्यिक क्रियाकलापों हेतु एमएसएमई को कच्चे माल की आपूर्ति के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल), बिटारा प्राइवेट लिमिटेड, श्री सीमेंट, श्री कन्या स्टील कॉर्पोरेशन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

(छ): एनएसआईसी द्वारा कोनासीमा जिले सहित आंध्र प्रदेश में अपनी सेवाओं की पहुंच और प्रभावशीलता का विस्तार करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें, अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित शामिल हैं:

(i) एनएसआईसी स्कीमों के बारे में एमएसएमई को सूचित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम, टीम पहल कार्यशालाएं, अभियान और सेमिनार का आयोजन।
(ii) एमएसएमई पर वित्तीय बाधाओं को कम करने के लिए ऋण और कच्चे माल की सहायता प्रदान करना।
(iii) साझेदार संस्थाओं के माध्यम से उद्यमिता विकास एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।
(iv) सार्वजनिक खरीद में एससी/एसटी उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय एससी-एसटी हब (एनएसएसएच) स्कीम का कार्यान्वयन।
(v) व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों आदि के माध्यम से बाजार संपर्क को सुविधाजनक बनाना।
(vi) सहायता सेवाओं के प्रभावी वितरण के लिए राज्य एजेंसियों और जिला अधिकारियों के साथ सहयोग।

***